गुरुकुल प्रभात आश्रम में राष्टोय वैदिक शोध संगोष्ठी संपन्न

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पूज्य स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती जी के १२१ वें जन्मदिवस के अवसर पर **श्रावण शुक्ला एकादशी विक्रमाब्द २०७२, तदनुसार २६ अगस्त २०१५, बुधवार** को संपन्न हुई गोष्ठी का विषय था- **'वैदिक अध्यात्म विज्ञान की सार्वभौमिकता।'** गोष्ठी में समागत विद्वानों का प्रभाताश्रम की वैदिक परम्परानुसार शंखवादन, तिलक-चर्चन, श्रीफल एवं फलों की माला से विद्वानों का स्वागत किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ सरस्वती वन्दना एवं विद्वानों की स्वागत-गीतिका से हुआ। समागत विद्वानों में गोष्ठी के समुद्घाटन सत्र के अध्यक्ष **महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्याप्रतिष्ठान, उज्जैन के पूर्व सचिव श्री प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय** तथा संयोजक **प्रो. सोमदेव शतांशु** थे। शोधपत्र वाचकों में प्रो. रमेश भारद्वाज (दिल्ली वि.वि.), प्रो. सुरेन्द्र कुमार (महर्षि दयानन्द वि.वि), डॉ. रामसुमेरू यादव (लखनऊ वि. वि.), डॉ. विनोद शर्मा (वृन्दावन), डॉ. जगमोहन (दिल्ली वि.वि.), डॉ. सत्यकेतु (लखनऊ वि.वि.), डॉ. वेदव्रत (गुरुकुल कांगडो वि.वि.), डां. सत्यपाल सिंह (दिल्ली वि.वि.) प्रमुख थे। **समर्पणानन्द वैदिक शोधसंस्थान के निर्देशक डॉ. मानसिंह जी** न अभ्यागतों का तथा **पूज्य स्वामी अनन्तभारती जी** ने अपने शोधपत्र के साथ सभी शोधपत्र-वाचकों का धन्यवाद ज्ञापन किया। वैदिक अध्यात्म विज्ञान की सार्वभौमिकता का विशद विवेचन करते हुए **गुरुकुल प्रभात आश्रम के कुलाधिपति पूज्य स्वामी विवेकानन्द जी महाराज** ने उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया।

जिन तीस शोधपत्रों का वाचन हुआ उनका पावमानी के अगले अंक में प्रकाशन होगा जिससे अन्यान्य पाठक भी लाभान्वित होगें।